उन्होंने परमेश्वर का अपमान किया और पश्चाताप करने से इंकार
किया

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

परमेश्वर के बच्चों और शैतान के बच्चों में मुख्य अंतर उनके परमेश्वर के वचन पर प्रतिक्रिया देने में है। जब पाप और उसके शाश्वत परिणामों की बात सामने आती है, परमेश्वर के बच्चे तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं। वे पश्चाताप के लिए प्रेरित होते हैं, अपने पाप पर शोक व्यक्त करते हैं, और ईमानदारी से उससे दूर हटते हैं जैसे निनवे के लोग। इसी तरह, जब उन्हें उनके गलत कार्यों के लिए अनुशासित किया जाता है, वे जल्दी ही अपनी गलतियों को पहचानते हैं और प्रभु की ओर लौटते हैं, जैसे दाऊद ने किया।

इसके विपरीत, शैतान के बच्चे पूरी तरह अलग प्रतिक्रिया देते हैं। जब उन्हें न्याय के लिए चेतावनी दी जाती है, तो वे पश्चाताप करने के बजाय विरोध करते हैं, अक्सर बहुत ज़ोर से। वे अनंत जीवन के वचन को आभारी होकर स्वीकार करने के बजाय उसका मज़ाक उड़ाते हैं। और जब परमेश्वर उनके पाप के परिणामों की अनुमति देता है, तो उनके मुंह से घोर अपमान निकलता है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति जो यौन पाप में जीवन बिताता है, वह अनमोल परिणाम भुगत सकता है; वह पश्चाताप करने के बजाय परमेश्वर को दोष देता है और सवाल करता है कि परमेश्वर ऐसा क्यों होने देते हैं, जबकि यह परिणाम उनके अपने चुनावों का नतीजा हैं।

इसी प्रकार, जब परमेश्वर अपनी अंतिम सात विपत्तियाँ इस पृथ्वी

उन्होंने परमेश्वर का अपमान किया और पश्चाताप करने से इंकार
किया

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

पर उतारेंगे, तो शास्त्र हमें बताता है कि बचे हुए दुष्ट न तो पश्चाताप करेंगे और न ही दया की मांग करेंगे। इसके बजाय वे परमेश्वर का अपमान करेंगे और उनके नाम को शाप देंगे।

प्रकाशितवाक्य 16:8–11 (ERV-HI):

8 फिर चौथे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा सूर्य पर डाला, और उसे
यह शक्ति दी गई कि वह लोगों को आग से जलाए।
9 और लोग भयंकर गर्मी से जलाए गए, और उन्होंने उस परमेश्वर
का अपमान किया, जिसके पास इन विपत्तियों पर शक्ति है; और उन्होंने पश्चाताप नहीं किया और उसे महिमा नहीं दी।
10 फिर पाँचवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा उस जानवर के
सिंहासन पर डाला, और उसका राज्य अंधकार से भर गया; और वे
अपने दर्द के कारण अपनी जीभ काटने लगे।
11 और उन्होंने स्वर्ग के परमेश्वर का अपमान किया अपने दर्द
और घावों के कारण, और अपने कार्यों में पश्चाताप नहीं किया।

क्या आप पैटर्न देख रहे हैं? साँप के बच्चे स्पष्ट रूप से प्रकट होते हैं। संसार की स्थापना से ही उन्हें न्याय के लिए निर्धारित किया गया है (देखें: प्रकाशितवाक्य 13:8; 17:8)। शैतान और उसके दूतों की तरह, वे जानते हैं कि वे दोषी हैं और आग का झील उनका इंतजार कर रही है, फिर भी उनके हृदय कठोर बने रहते

उन्होंने परमेश्वर का अपमान किया और पश्चाताप करने से इंकार
किया

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

हैं। इसके बजाय, वे परमेश्वर के कार्यों का विरोध करना जारी रखते हैं और उनका अपमान करते हैं।

यदि न्याय का विचार आपको अब प्रभावित या डराता नहीं है, तो मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूँ: आपकी आध्यात्मिक स्थिति गंभीर है। आप इस समूह शैतान के बच्चों में गिरने के संकेत दिखा रहे हैं। यदि पश्चाताप के बुलावे आपको केवल कहानियाँ लगते हैं, और यदि जब आपको चेतावनी दी जाती है कि यीशु दरवाज़े पर खड़े हैं, आप इसे अस्वीकार करते हैं या दिल में उसका मज़ाक उड़ाते हैं, तो आप बड़े खतरे में हैं।

यहूदा 1:17–19 (ERV-HI):

17 प्रिय मित्रो, उन शब्दों को याद रखो जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरितों द्वारा पहले ही कहे जा चुके हैं।
18 उन्होंने कहा कि अंतिम समय में ऐसे लोग होंगे जो
परमेश्वर से जो कुछ संबंधित होगा उसकी हँसी उड़ाया करेंगे। तथा वे अपवित्र इच्छाओं के पीछे-पीछे चला करेंगे।
19 ये लोग वे ही हैं जो फूट डालते हैं।

जैसे-जैसे हम ऐसे अधिक लोग देखते हैं, यह स्पष्ट होता है कि हम

उन्होंने परमेश्वर का अपमान किया और पश्चाताप करने से इंकार
किया

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

अंतिम दिनों में हैं। शीघ्र ही, प्रभु अपने पवित्रों के साथ बादलों में लौटेंगे, और इस प्रकार के उपहास और मानव अपमान को समाप्त करेंगे।

यहूदा 1:14–15 (ERV-HI):

14 आदम से सातवें हेनोक ने भी इन लोगों के बारे में भविष्यवाणी की और कहा: “देखो, प्रभु अपने हजारों पवित्रों
के साथ आते हैं,
15 ताकि सभी पर न्याय करें और सभी अधर्मी लोगों को उनके अधार्मिक कार्यों के लिए दोषी ठहराएँ, और सभी कठोर बातें जो अधर्मी पापियों ने उनके खिलाफ कही हैं, उन्हें प्रमाणित
करें।

न्याय का दिन आने वाला है। यह संसार गहराई से भ्रष्ट है और समय कम है। जो कुछ भी आप देखते हैं वह अंत की ओर संकेत करता है। संसार में शांति देखकर धोखा मत खाइए; शास्त्र कहता है कि जब लोग कहते हैं “शांति,” अचानक विनाश आएगा, और वे बच नहीं पाएंगे (1 थिस्सलुनीकियों 5:1–3).

भले ही संसार दो सौ साल और चलता रहे, क्या आपके पास इतना समय होगा? यहाँ जीवन बहुत छोटा है। यदि आप पाप में रहकर मसीह के

उन्होंने परमेश्वर का अपमान किया और पश्चाताप करने से इंकार
किया

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

बिना जीवन खोजते हैं, तो समय बर्बाद करना बंद करें। यदि आप न्याय और शाश्वत परिणामों की चेतावनियों को सुनने से इंकार करते हैं, तो एक समय आएगा जब आप उस समूह में शामिल होंगे जो खुले तौर पर परमेश्वर का अपमान करता है। लेकिन इसका क्या लाभ होगा? शास्त्र कहता है कि परमेश्वर का मज़ाक नहीं उड़ाया जा सकता। आप मरेंगे और आग के झील में सदा के लिए खो जाएंगे।

फिर भी, आपके पास अब भी पलटने की शक्ति है। शेष थोड़े समय में, परमेश्वर आपका जीवन बदलना, आपको पुनर्स्थापित करना, संरक्षित करना और आपको अनंत जीवन की आशा देना चाहता है। यदि आप आज तैयार हैं, तो परमेश्वर आपके सभी पापों और अपमानों को माफ कर देंगे। आपको बस अपने हृदय को खोलना है।

यदि आप समर्पण करने का निर्णय लेते हैं, तो यह एक बुद्धिमानीपूर्ण निर्णय होगा जिसे आप कभी पछताएँगे नहीं। एक शांत जगह खोजें, घुटनों के बल बैठें और विश्वास के साथ यह प्रार्थना करें, यह जानते हुए कि परमेश्वर नजदीक हैं और आपको सुनते हैं

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp